बस्तर विश्व विद्यालय के विद्यार्थियों का कवि आसना में सामुदायिक कार्य सहभागिता कार्यक्रम

जगदलपुर, 9 दिसंबर (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के बीएड प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए मंगलवार को उच्च माध्यमिक शाला, कवि आसना में एक दिवसीय सामुदायिक कार्य सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम आधारित च्ग्रामीण शिविर व समुदायिक कार्य के अंतर्गत यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक सामाजिक परिवेश से अवगत कराने, ग्रामीण समस्याओं को समझने तथा शिक्षकीय संवेदनशीलता एवं व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित हुआ। विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम गांव में स्वच्छता एवं जागरूकता रैली निकाली जिसमें विद्यार्थियों ने स्वच्छता, स्वास्थ्य, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने शाला परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा नशा मुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। विद्यार्थियों ने समूहों में विभाजित होकर स्वास्थ्य, शैक्षणिक व आर्थिक स्थिति एवं पर्यावरण जागरूकता के संबंध में घर-घर सर्वेक्षण भी किए। दूसरे सत्र में विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक संदेशयुक्त गीत, लोकनृत्य, नशा मुक्ति और शिक्षा पर आधारित नाटक, प्रेरक भाषण इत्यादि प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक-प्रशिक्षु केवल डिग्री प्राप्त करने का लक्ष्य नहीं रखें बल्कि एक संवेदनशील, विश्लेषक और उत्तरदायी नागरिक बनने का भी संकल्प लें। बीएड एक बहुविषयक पाठ्यक्रम है जो विद्यार्थियों को विशिष्ट कौशलों से संपन्न करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक तभी सफल होता है जब वह अपने ज्ञान को अनुभवात्मक रूप से समाज तक पहुँचाता है।

जयप्रकाश दास कश्यप ने कहा कि एक शिक्षक का वास्तविक प्रशिक्षण तभी पूर्ण होता है जब वह समाज की नब्ज को समझता है। ग्रामीण जीवन सरल होते हुए भी गहरे अनुभवों से भरा है। नशा मुक्ति, शिक्षा, स्वच्छता और जागरूकता जैसे विषयों पर ग्रामीणों से संवाद करना एक शिक्षक का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि शिक्षक को तकनीक, परंपरा और मानवीयता के बीच संतुलन के साथ कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. गायत्री सोनी ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी पूजा अधिकारी एवं दिनेश ने किया एवं डॉ. सोहन कुमार मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षा अध्ययन शाला के विभागाध्यक्ष डॉ. सुकृता तिर्की, डॉ. संजीवन कुमार, डॉ. गायत्री सोनी, डॉ. रेखा, जीवनानी, लीलावती पटेल एवं संजय गहरवाल एवं शाला के शिक्षक उपस्थित थे।

विद्यार्थियों ने दिया नशामुक्ति व स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीएड प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग के निर्देशन में आयोजित

- शमक विवि के बीएड विद्यार्थियों ने ग्रामीण सर्वे एवं जागरूकता नाटक का किया आयोजन

किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित किया और विभिन्न सामाजिक व शैक्षिक मुद्दों पर जानकारी एकत्र की। सर्वेक्षण के दौरान छात्रों ने ग्रामीणों से शिक्षा, स्वास्थ्य,स्वच्छता, डिजिटल साक्षरता, रोजगार तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी को लेकर बातचीत की। इसके बाद विद्यार्थियों ने उन्हीं मुद्दों पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। जिसमें स्वच्छता, नशा मुक्ति, बालिका शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के प्रभारी शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के सर्वे और नाटकों से विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, संचार कौशल,और सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित होती है। वहीं ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां सरल और प्रभावी तरीके से प्राप्त होती हैं। विद्यार्थियों ने आगे भी इसी तरह के जनजागरूकता कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया।

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय दर्शन और नैतिकता पर आधारित है। शिक्षक प्रशिक्षुओं को चाहिए कि वे सिर्फ डिग्री प्राप्त करने का लक्ष्य न रखें बल्कि एक संवेदनशील विश्लेषक और उत्तरदायी नागरिक बनने का संकल्प लें। बी.एड. वास्तव में एक बहुविषयक पाठ्यक्रम है। जो विद्यार्थियों को विशिष्ट कौशलों से संपन्न करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जीवन हमारी जड़ों का प्रतीक है और शिक्षक तभी सफल होता है जब वह अपने ज्ञान को अनुभवात्मक रूप से समाज तक पहुंचाता है। उन्होंने कार्यक्रम को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वास्तविक अनुभव का विद्यालय बताया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जयप्रकाश दास, संजीवन कुमार विभागध्यक्ष वानिकी विभाग, डॉ सुकृता तिर्की विभागध्यक्ष बीएड अध्यनशाला, सरंपच जानकी देवी, बीएड शिक्षक डॉ सोहन कुमार मिश्रा, डॉ गायत्री सोनी, डॉ रेखा जिवनानी, लीलावती पटेल एवं संजय गहरवाल एवं विद्यालय के प्रधान पाठक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में कब्जे को लेकर राज्यपाल सख्त

कहा- शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की भूमि को यथावत रखें

खबर का असर

रायपुर @ पत्रिका. बस्तर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की भूमि पर अवैध कब्जा और अन्य निर्माण कार्य किए जाने को राज्यपाल रमेन डेका ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस पर तत्काल कार्रवाई करने और भूमि को यथावत रखने के निर्देश दिए हैं। 'पत्रिका' ने अवैध कब्जे की खबर को गत 7 दिसम्बर के अंक में कब्जे के विरोध में कुलपति-कुलसचिव सड़क पर शीर्षक से प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद सोमवार को राज्यपाल डेका ने मुख्य सचिव विकास शील से इस संबंध में चर्चा की और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की जमीन पर कब्जा और अनाधिकृत निर्माण हटाया जाए और भूमि को यथावत विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में सुरक्षित रखा जाए।

राजनीतिक व प्रशासनिक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं: राज्यपाल ने कहा, विश्वविद्यालय की भूमि पर किसी भी तरह के अतिक्रमण, बाहरी निर्माण या अन्य गतिविधि शिक्षा के अधिकार, संस्थागत विकास व भविष्य की पीढ़ियों के हितों के साथ खिलवाड़ है। जनजातीय क्षेत्र का यह विश्वविद्यालय अध्ययन, अनुसंधान और विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए स्थापित किया है। अतिक्रमण या राजनीतिक-प्रशासनिक हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा।

यह है मामला: विवि के पास 25 एकड़ जमीन है। इसकी जमीन पर जिला प्रशासन एक भवन निर्माण कर रहा है। इसके लिए विवि से अनुमति भी नहीं ली गई थी। विवि प्रबंधन के विरोध के बावजूद काम चालू था। इसके खिलाफ विद्यार्थियों के साथ विवि के कुलपति व कुलसचिव ने शनिवार को धरना दिया था।

सुप्रीम डिसीजन : विश्वविद्यालय और छात्र हितों को दरकिनार करने वालों को करारा जवाब

यूनिवर्सिटी में घुसपैठ पर गवर्नर की रोक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

04.12.2025

05.12.2025

07.12.2025

08.12.2025

पत्रिका बिग इम्पैक्ट

पत्रिका के अभियान का बड़ा असर

राज्यपाल ने मुख्य सचिव को राजभवन बुलाकर कहा- तत्काल रुकवाएं अतिक्रमण

छात्रों ने कहा- पत्रिका हमारी आवाज

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कैंपस में अब किसी तरह का घुसपैठ नहीं होगा। परिसर में नालंदा परिसर के निर्माण पर गवर्नर रमेन डेका ने रोक लगा दी है। इस पूरे मामले में पत्रिका में लगातार छपी खबरों पर राज्यपाल ने सीधे संज्ञान लिया। पत्रिका ने छात्र हितों की अनदेखी और विवि की जरूरतों की उपेक्षा पर खबरें प्रकाशित की। तीन दिन के भीतर ही पूरे मामले में बड़ा असर हुआ है। राज्यपाल रमेन डेका ने राज्य के मुख्य सचिव विकास शील को राजभवन बुलाया और कहा कि शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में हो रहे अतिक्रमण को तत्काल रुकवाएं। राज्यपाल रमेन डेका ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की भूमि पर अवैध कब्जा और अन्य निर्माण कार्य किए जाने को गंभीरता से लेते हुए इस पर तत्काल कार्रवाई करने और भूमि को यथावत रखने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने सोमवार को राजभवन में मुख्य सचिव विकास शील से इस संबंध में चर्चा की और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की जमीन पर कब्जा और अनाधिकृत निर्माण हटाया जाए और भूमि को यथावत विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में सुरक्षित रखा जाए।

इस पूरे प्रकरण को पत्रिका ने प्रमुखता से उठाया। पत्रिका ने ही सबसे पहले बताया कि विवि कैंपस में अतिक्रमण जारी है। इसके बाद विद्या संबंधी योजना एवं मूल्यांकन बोर्ड, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, एनएसयूआई, आदिवासी युवा छात्र संगठन के बैनर तले छात्र सड़क पर उतरे। विवि के कुलपति और कुलसचिव भी इस प्रदर्शन में दिखे। पूरा प्रकरण बस्तर विश्वविद्यालय के इतिहास को बदल रहा था। अब जबकि राजभवन ने विवि में हर तरह के घुसपैठ पर रोक लगा दी है तो विवि के छात्रों ने पत्रिका को धन्यवाद देते हुए कहा है कि पत्रिका उनकी आवाज बना।

राज्यपाल रमन डेका ने इस आदेश को सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है।

पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट पर सेंध लगाने की कोशिश थी

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय को पीएम मेरु यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला हुआ है। यह यूनिवर्सिटी पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के अंतर्गत आती है। मेरु यूनिवर्सिटी में घुसपैठ की खबर जब राजभवन तक पहुंची तो राज्यपाल को कड़ा एक्शन लेना पड़ा। सूत्र बता रहे हैं कि मुख्य सचिव ने राजभवन से निकलते ही बस्तर जिला प्रशासन के उन जिम्मेदारों से भी बात की जिनके

इशारे पर जेसीबी विश्वविद्यालय कैंपस तक पहुंची थी।

हर तरह के हस्तक्षेप को राजभवन से मिल गया जवाब

राज्यपाल केइस आदेश ने एक बड़ा संदेश दिया है। इस पूरे मामले में हर स्तर पर हो रहे नकारात्मक हस्तक्षेप को राजभवन से कड़ा जवाब मिल गया है। राज्यपाल ने कहा किसी भी तरह के अतिक्रमण, बाहरी निर्माण या अन्य गतिविधि शिक्षा के अधिकार, संस्थागत विकास और भविष्य की पीढ़ियों के हितों के साथ खिलवाड़ हैं। जनजातीय क्षेत्र का यह विवि अध्ययन, अनुसंधान और विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए है। इस पर अतिक्रमण या राजनीतिक-प्रशासनिक हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा।

बस्तर के आदिवासी युवाओं की मुखर आवाज का सम्मान

राज्यपाल ने पत्रिका की खबरों पर संज्ञान लिया साथ ही इस बीच अपनी यूनिवर्सिटी के लिए सड़क पर उतरे आदिवासी युवाओं की आवाज का भी सम्मान किया। राजभवन ने इस पूरे मामले में एक संदेश यह भी दिया कि बस्तर में छात्र हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मालूम हो कि प्रदर्शन के बीच विवि के छात्र लगातार कह रहे थे कि हमारे विवि के पास पहले ही जगह कम है। अब अगर इस तरह के निर्माण होंगे तो जगह और कम हो जाएगी। शैक्षणिक विकास के लिए अतिक्रमण बाधा है।

लाइब्रेरी विवाद • यूनिवर्सिटी कैम्पस में प्रशासन बनवा रहा था लाइब्रेरी, राज्यपाल ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए

बीयू कैम्पस में कोई निर्माण कार्य न हो: राज्यपाल

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने बस्तर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की भूमि पर अवैध कब्जा और अन्य निर्माण कार्य किए जाने को गंभीरता से लेते हुए इस पर तत्काल कार्रवाई करने और भूमि को यथावत रखने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल डेका ने सोमवार को लोकभवन में मुख्य सचिव विकास शील से इस संबंध में चर्चा की और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की जमीन पर कब्जा और अनाधिकृत निर्माण हटाया जाए और भूमि को यथावत विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में सुरक्षित रखा जाए।

जगदलपुर। अफसरों को निर्देश देते हुए राज्यपाल रमेन डेका।

राज्यपाल डेका ने कहा कि विश्वविद्यालय की भूमि पर किसी भी तरह के अतिक्रमण, बाहरी निर्माण या अन्य गतिविधि शिक्षा के अधिकार, संस्थागत विकास और भविष्य की पीढ़ियों के हितों के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र का यह विश्वविद्यालय अध्ययन, अनुसंधान और विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए स्थापित किया गया है। इस पर अतिक्रमण या राजनीतिक-प्रशासनिक हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा। बस्तर यूनिवर्सिटी के कैंपस में लाइब्रेरी बनाने के लिए प्रशासनिक अफसर जिद पर अड़े हुए थे। इसके बाद छात्रों ने इस लाइब्रेरी का जमकर विरोध किया। छात्रों के समर्थन में एनएसयूआई, एबीवीपी और आदिवासी छात्र संगठन भी सामने आए थे, लेकिन स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने छात्रों से दूरी बना ली थी।

छात्रों पर दबाव बनाया जा रहा था कि वे आंदोलन न करें। इस बीच पूरा मामला राज्यपाल तक पहुंचा तो उन्होंने मामले में हस्तक्षेप किया और सीधे प्रमुख सचिव को निर्देश दिए कि यहां कोई निर्माण नहीं होना चाहिए।

पहली बार विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी आंदोलन में लिया था हिस्सा

यूनिवर्सिटी कैंपस में लाइब्रेरी निर्माण के विरोध में पहली बार छात्रों के साथ विवि के कर्मचारियों ने भी आंदोलन किया था। बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन के कुछ अफसर जानबूझकर इस स्थान पर लाइब्रेरी बनाने में अड़े हुए थे जबकि इस स्थान पर पहले से 8-8 लाइब्रेरी मौजूद है।

बवाल: नालंदा परिसर के लिए 15 मार्च 2024 को जिला पंचायत के करीब किया गया था भूमिपूजन

ऐसी भी क्या मजबूरी?

21 महीने बाद पलटा प्रोजेक्ट

भूमिपूजन शहर में पर जेसीबी चलाई 5 किमी दूर

लगातार

- तब कहा गया- शहर में लाने जा रहे प्रतियोगी क्रांति
- 9 करोड़ 98 लाख के प्रोजेक्ट की जगह अब बदली
- जगह में बदलाव क्यों बता नहीं रहे, बवाल इस पर भी
- एक ही पैच में आठ से अधिक लाइब्रेरी पर भी सवाल

पत्रिका एक्सपोज

आकाश मिश्रा
patrika.com

जगदलपुर . शहर में प्रस्तावित हाइटेक लाइब्रेरी निर्माण पर चार दिनो से बवाल मचा हुआ है। इसे लेकर बस्तर विश्वविद्यालय व छात्र संगठन सड़क पर उतर चुके हैं उसका निर्माण 21 महीने पहले शहर में तय किया गया था। जिला पंचायत के करीब वेटनरी विभाग की खाली पड़ी जमीन पर यह निर्माण होना था। 15 मार्च 2024 को विधायक किरण देव और तत्कालीन महापौर सफीरा साहू ने नालंदा परिसर के लिए यहां भूमिपूजन किया था। तब कहा गया था कि प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी के लिए युवाओं को शहर के मध्य में सर्वसुविधा युक्त जगह मिलेगी। अब 21 महीने बाद इस प्रोजेक्ट का निर्माण यूनिवर्सिटी के केंपस मे करने की कोशिश की जा रही है। जगह में बदलाव व जमीन नापजोख की गलतफहमी की वजह से यूनिवर्सिटी और जिला प्रशासन आमने-सामने आ चुके हैं। छात्र संगठन कह रहे हैं कि यूनिवर्सिटी के आगामी प्रोजेक्ट की जगह पर सुनियोजिक तरीके से सेंध लगाई जा रही है। इस सब के बीच सवाल खड़ा है कि आखिर ऐसी भी क्या मजबूरी है कि शहर के मध्य में बनने वाली लाइब्रेरी की दूरी शहर से 5 किमी दूर की जा रही है? इस सवाल पर प्रशासन और भाजपा के जनप्रतिनिधि मौन हैं।

मौजूदा लाइब्रेरी में जगह कम, नालंदा उसी का बड़ा विकल्प

शहर में लाला जगदलपुर लाइब्रेरी को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के उद्देश्य से 5 साल पहले तैयार किया गया था। शहर और जिले के युवाओं को इसका लाभ भी मिला है पर यहां जगह कम है और छात्र ज्यादा। लाला जगदलपुरी लाइब्रेरी के युवाओं का ही कहना है कि शहर के भीतर अगर नालंदा परिसर का निर्माण हो तो शहर और आसपास के युवा इससे ज्यादा जुड़ते और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी का बेहतर माहौल बनता। एजुकेशन हब में निर्माण होने से इसका उपयोग सीमित हो जाएगा।

छात्र हित से विधायक को मतलब नहीं

पूरा मामला शहर के छात्रों और युवाओं के हित से जुड़ा हुआ है पर इससे जगदलपुर विधायक किरण देव को कोई मतलब नहीं। भूमिपूजन के 21 महीने बाद जेसीबी कहीं और लेकर पहुंच गए यह हास्यास्पद है। प्रशासन के साथ भी कोई सामंजस्य नहीं है। निर्माण करना ही था तो एक बार यूनिवर्सिटी और वहां के अन्य संस्थानों के छात्रों से बात कर लेते। इसके साथ ही अगर नालंदा परिसर वहां बन भी गया तो शाम होने के बाद वहां छात्राओं को सुरक्षा कौन देगा।

सुशील मौर्य,
जिलाध्यक्ष, कांग्रेस

15 मार्च 2024 को जिला पंचायत के करीब नालंदा परिसर के लिए भूमिपूजन करते विधायक व पूर्व महापौर।

यूनिवर्सिटी कैंपस में भवन निर्माण के लिए नींव खोद दी गई।

नालंदा का जहां भी निर्माण हो, यह सुविधाएं तय

- मल्टीपरपर्स हॉल
- लेक्चर हॉल
- रीडिंग हॉल
- डिजीटल लाइब्रेरी
- वेटिंग रूम
- छोटे बच्चों की लाइब्रेरी

- न्यूज पेपर और मैगजीन रीडिंग सेक्शन
- बुक स्टोर रूम
- ऑडियो-वीडियो लाइब्रेरी
- रूफ टॉप रीडिंग जोन
- ओपन रीडिंग जोन

नालंदा का कॉन्सेप्ट लेट नाइट पढ़ाई का, सुरक्षा कैसे देंगे?

प्रदेश में अब तक जहां भी नालंदा परिसर बने हैं उसका मॉडल रायपुर के नालंदा से लिया गया है। रायपुर नालंदा की बात करें तो वहां पर युवा देर रात या पूरी रात बैठकर पढ़ाई करते हैं। वहां नालंदा परिसर के आसपास दो थाने हैं। साथ ही परिसर की अलग सुरक्षा व्यवस्था है। ऐसे में अगर जगदलपुर में रायपुर की तर्ज पर निर्माण का दावा किया जा रहा है तो धरमपुरा में सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। धरमपुरा के एजुकेशन हब में रात के वक्त सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते रहे हैं। पिछली सरकार के वक्त यहां पर थाना स्थापित करने की घोषणा की गई थी जो अब तक अधूरी है। साथ ही यूनिवर्सिटी और एजुकेशन हब में आठ से अधिक लाइब्रेरी के बाद नौवें को लेकर कई सवाल हैं। इसके साथ ही देर रात तक युवा बैठकर तैयारी कैसे करेंगे? युवतियों को यहां कैसी सुरक्षा दी जाएगी यह भी प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए।

ड्रॉइंग-डिजाइन नहीं बदल रहे, सिर्फ जगह में बदलाव

मामले में जब पीडब्ल्यूडी के सूत्रों से बात की गई तो बताया गया कि प्रोजेक्ट के लिए ड्रॉइंग-डिजाइन मई 2024 में ही तैयार कर लिया गया था। उस वक्त प्रोजेक्ट के लिए वित्तीय स्वीकृति भी मिल गई थी पर किसी कारण से निर्माण शुरू नहीं हो पाया। अब 21 महीने बाद यूनिवर्सिटी कैंपस में पुराने ड्रॉइंग डिजाइन से ही काम करने की तैयारी है। इस बीच विभाग अब असमंजस में है कि विरोध की दिशा किस ओर जाएगी और निर्माण कहां शुरू करना है। टेंडर की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है।

नालंदा पुस्तकालय निर्माण पर विवाद गहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में प्रदर्शन करते हुए प्रशासनिक भवन में ताला जड़ दिया। अचानक हुए इस प्रदर्शन से विश्वविद्यालय कर्मचारी भी बाहर ही रुके रहे और कामकाज पूरी तरह ठप हो गया।

- अभाविप ने विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में जड़ा ताला
- पुस्तकालय को परिसर से बाहर बनाने की मांग की

अभाविप संयोजक शैलेश ध्रुव ने कहा कि बस्तर संभाग के सातों जिलों के विद्यार्थी विशेषकर नक्सल प्रभावित, ग्रामीण, मजदूर एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग इसी विश्वविद्यालय पर निर्भर हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय की पहले से सीमित जमीन पर नालंदा पुस्तकालय के निर्माण का प्रस्ताव छात्रों के हितों के विपरीत है।

उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 में विश्वविद्यालय को पीएम मेरु का दर्जा मिलने के बाद फिजिकल एजुकेशन, लॉ, फार्मेसी और शोध विभागों सहित कई नए भवनों की आवश्यकता होगी। जबकि वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास 50 एकड़ से भी कम भूमि है। बालिका छात्रावास भी एक ही है जहां सीट कम होने से कई छात्राओं को प्रवेश नहीं मिल पाता।

अभाविप ने राज्य शासन से मांग की है कि नालंदा पुस्तकालय का निर्माण विश्वविद्यालय परिसर के बाहर किया जाए। ताकि भावी जरूरतों के अनुरूप विश्वविद्यालय का विस्तार सुचारू रूप से संचालन हो सके। इस दौरान जयमन मौर्य, प्रेमसागर, अवनीश मिश्रा, अश्विन पिल्ले, वैभवदास, प्रशांत लाठिया, रघुराज, नूशांत जोशी, अजू सिंह ठाकुर, टेमन, प्रशांत ठाकुर, निखिल नायर, योगेश ठाकुर, निखिल साहू, हरीश शार्दूल, चांद नागेश, दिशा पाढ़ी, खुशी यादव सहित अभाविप के अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

महाविद्यालय के पास जमीन के दस्तावेज

जिस रिक्त जमीन में नालंदा परिसर निर्माण के लिए जिला प्रशासन ने प्रस्ताव देकर सभी प्रक्रिया पूरी की है। दरअसल यह जमीन शासकीय काकतीय महाविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में है जिसके प्रमाणिक दस्तावेज महाविद्यालय प्रशासन के पास है। नालंदा परिसर निर्माण के पीछे केवल महाविद्यालय या विश्वविद्यालय के छात्रों के अध्ययन के लिए लाइब्रेरी का निर्माण नहीं किया जा रहा बल्कि समूचे बस्तर अंचल के विद्यार्थियों के लिए किया जा रहा है। इसका विरोध करना उचित नहीं है।

-अनिल श्रीवास्तव,
प्राचार्य, शासकीय काकतीय महाविद्यालय धरमपुरा

जिला प्रशासन निर्माण कर रहा

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की 15 एकड़ जमीन की बजाए शासकीय काकतीय महाविद्यालय की 6 एकड़ जमीन का कुछ हिस्सा लगभग ढाई एकड़ जमीन में नालंदा परिसर का निर्माण जिला प्रशासन करा रहा है। जिसका सीमांकन भी कराया जा चुका है। यह परिसर बस्तर के सभी विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इसका विश्वविद्यालय प्रशासन विरोध करने की जानकारी मीडिया से मिली है।

-प्रवीण वर्मा
सिटी मजिस्ट्रेट, जगदलपुर

महाविद्यालय की जमीन पर विवि का दावा

शासकीय काकतीय महाविद्यालय की जमीन पर छत्तीसगढ़ शासन के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा उक्त रिक्त जमीन पर नालंदा परिसर का निर्माण किया जाना है। अचरज की बात है कि उक्त जमीन का दावा शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। सूत्र बता रहे है कि जमीन का सम्पूर्ण दस्तावेज शासकीय काकतीय महाविद्यालय के अधीन है विश्वविद्यालय के पास कोई दस्तावेज भी नही है। बावजूद विश्वविद्यालय के कुलपति समेत राजपत्रित अधिकारी कुल सचिव एवं अन्य राजपत्रित अधिकारी धरना में सम्मलित हुए। जिसे शासन के ही विरोध करने की श्रेणी में देखा जा रहा है। किसी भी शासकीय कार्य मे शासन के ही नुमाइंदे यदि विरोध प्रदर्शन में सम्मलित होते है तो यह आचार संहिता 1965 का सीधा उल्लंघन है।

अभाविप बस्तर ने शहीद महेंद्र कर्मा विवि में जड़ा ताला

विश्वविद्यालय परिसर के अंदर नालंदा पुस्तकालय बनाने का किया विरोध

अभाविप बस्तर ने विश्वविद्यालय परिसर में नालंदा पुस्तकालय को अन्यत्र बनाने का किया मांग

जगदलपुर, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बस्तर के कार्यकर्ताओं ने शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर में विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में ताला बंद करके विश्वविद्यालय परिसर के अंदर नालंदा पुस्तकालय बनाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को भी विश्वविद्यालय के बाहर रहना पड़ा। अभाविप राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य शैलेश ध्रुव ने कहा कि शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय बस्तर संभाग का एकमात्र विश्वविद्यालय है। जहां पर बस्तर संभाग के सातों जिले से नक्सल प्रभावित क्षेत्र, ग्रामीण, मजदूर, किसान आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों का एकमात्र सहारा बस्तर विश्वविद्यालय का छत है। परंतु कुछ दिन पूर्व शहिद महेंद्रकर्मा बस्तर विश्वविद्यालय के परिसर में नालंदा पुस्तकालय बनाने के लिए भूमि का परीक्षण किया गया। शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय में एक विश्वविद्यालय के अच्छे विकास के लिए जितनी भूमि होनी चाहिए उतनी भी भूमि अभी नहीं है। बहुत ही हर्ष का विषय यह भी है की फरवरी 2024 को पीएम मेरु विश्वविद्यालय का दर्जा विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में आने वाले समय में फिजिकल एजुकेशन लॉ डिपार्मेंट फार्मेसी डिपार्मेंट शोध विद्यार्थियों के लिए भवन सैकड़ो कर्मचारियों के लिए भवनों का भी निर्माण किया जाना है। अभी भी विश्वविद्यालय के पास इन सब आवश्यकताओं की पूर्ति की दृष्टि से बहुत ही कम भूमि है। विश्वविद्यालय में एक ही बालिका छात्रावास है छात्रावास की कमी होने के कारण छात्रावास में प्रवेश नहीं मिल पाता, जिसके कारण अनेक बहनों को अपना घर वापस जाना पड़ रहा है भविष्य में इसकी भी चिंता करनी पड़ेगी। विश्वविद्यालय के पास भूमि नहीं रहेगी, तो इन सारे विषयों पर कैसे कार्य कर पाएंगे शिक्षा की गुणवत्ता में कैसे सुधार होगा ? विश्वविद्यालय में कम से कम 300 एकड़ भूमि होनी चाहिए, परंतु शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में 50 एकड़ से भी कम भूमि है। भविष्य में अनेक विभाग, अनेक भवनों निर्माण विश्वविद्यालय विकास के लिए इतना पर्याप्त भूमि नहीं है। राज्य शासन का नालंदा पुस्तकालय का निर्णय अत्यंत सराहनीय एवं हर्ष का विषय है। विश्वविद्यालय उत्थान छात्रों के हित को देखते हुए विश्वविद्यालय परिसर के बाहर नालंदा पुस्तकालय का होना अति उत्तम होगा। इस दौरान जयमन मौर्य, प्रेमसागर, अवनीश मिश्रा, अश्विन पिल्ले, वैभवदास प्रशांत लाठिया, रघुराज, नूशांत जोशी, अजू सिंह ठाकुर, टेमन, प्रशांत ठाकुर, निखिल नायर, योगेश ठाकुर, निखिल साहू, हरीश शार्दूल, चांद नागेश, दिशा पाढ़ी, खुशी यादव समेत अभाविप के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।